चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25.3.23	4	3-6

स्वयंसेवकों ने जुटाया साक्षरता का आंकड़ा

एचएयू के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से गंगवा में करवाया सर्वे

संवाद न्यूज एजेंसी

गंगवा गांव में साक्षरता सर्वे की जानकारी जुटाते स्वयंसेवक। संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर चल रहा है। शिविर में स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को गांव गंगवा में डोर टू डोर सर्वे कर साक्षरता का आंकड़ा जुटाया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.3.23	11	7-8

स्वयंसेवकों ने डोर टू डोर सर्वे कर जुटाया साक्षरता का आंकड़ा

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर के दौरान डोर टू डोर सर्वे कर साक्षरता का आंकड़ा जुटाया और दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गईं। स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए, ताकि गांवों की साक्षरता का अनुमानित पता लगाया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.3.23	3	7-8

जल संरक्षण समय की जरूरत : डॉ. जीतराम

संगोष्ठी में किसानों, छात्रों व वैज्ञानिकों को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा।

हिसार, 24 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा मौजूद रहे। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने सभी का स्वागत किया।

मुख्यातिथि डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि गिरते भू-जल स्तर के मद्देनजर पानी को बचाना समय की मुख्य जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बड़े स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. अनिल ढाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उगाने के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रवीण कुमार ने जल की महत्वता व संरक्षण के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. सोमवीर सहित अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.3.23	2	4

स्वयंसेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योगा, पर्यावरण संरक्षण और खेलों का महत्व

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई का गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी रहा। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योग को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-3-23	2	5-6

जल संरक्षण समय की जरूरत : डॉ. शर्मा

भास्कर न्यूज | हिसार

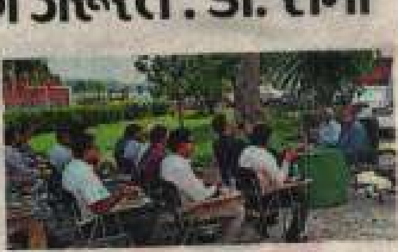

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा मौजूद रहे। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने सभी का स्वागत किया।

मुख्यातिथि डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि गिरते भू-जल स्तर के मद्देनजर पानी को बचाना समय की मुख्य जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बड़े स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए इसको बचाना सभी की जिम्मेदारी है। मोटे अनाज अर्थात ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी, कुटकी, चैना एवं सावां को कम उपजाऊ भूमि व कम पानी में भी उगाया जा सकता है। डॉ. अनिल ढाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उगाने के बारे में जानकारी दी।

	# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.3.23	6	6-8

स्वयं सेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योग व खेलों का महत्व

डोर टू डोर सर्वे करते हुए स्वयं सेवक।

हिसार, 24 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। इसके अलावा एकल गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए। ताकि गांवों की साक्षरता का अनुपात पता लगाया जा सके, जिसके बाद नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई। शिविर के चौथे दिन खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें क्रिकेट मैच में पहले, दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। इस मैच की विजेता टीम तीसरे वर्ष के छात्र रहे, जबकि रनरअप द्वितीय वर्ष के छात्र रहे। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने एनएसएस, वातावरण संरक्षण व ड्रग एब्यूज विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और नशे के सेवन से दूर रहने के लिए जागरूक किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-3-23	6	1-2

जल संरक्षण समय की ज़रूरत : डॉ. शर्मा

हिसार, 24 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा मौजूद रहे। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने सभी का स्वागत किया। मुख्यातिथि डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि गिरते भू-जल स्तर के मद्देनजर पानी को बचाना समय की मुख्य जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बड़े स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए इसको बचाना सभी की जिम्मेदारी है। मोटे अनाज अर्थात ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी, कुटकी, चैना एवं सावां को कम उपजाऊ भूमि व कम पानी में भी उगाया जा सकता है। डॉ. अनिल ढाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उगाने के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रवीण कुमार ने जल की महत्वता व संरक्षण के बारे में बताया। संगोष्ठी के दौरान डॉ. विरेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा लिखे हुए मोटे अनाज से टिकाऊ खेती और बचा ले जल बचा ले कल नामक गीतों को सुनाया, जिसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया। जबलपुर के भारतीय खरपतवार अनुसंधान संस्थान के सहयोग से डॉ. टोडरमल द्वारा आयोजित दो दिवसीय खरपतवार तकनीक प्रशिक्षण का समापन भी किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. सोमवीर सहित अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	25.03.2023	--------	---------

स्वयंसेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योगा व खेलों का महत्व

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी

व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। इसके अलावा एकल गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	25.03.2023	--------	--------

स्वयंसेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योगा व खेलों का महत्व

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। इसके अलावा एकल गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढकर भाग लिया। तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए। ताकि गांवों की साक्षरता का अनुपात पता लगाया जा सकें, जिसके बाद नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई। शिविर के चौथे दिन खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें क्रिकेट मैच में पहले, दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। इस मैच की विजेता टीम तीसरे वर्ष के छात्र रहे, जबकि रनरअप द्वितीय वर्ष के छात्र रहे। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने एनएसएस, वातावरण सरंक्षण व ड्रग एब्यूज विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और नशे के सेवन से दूर रहने के लिए जागरूक किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.03.2023	--------	--------

संगोष्ठी में वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज वाली फसलों के महत्व बताए

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने बताया कि गिरते भू-जल स्तर के मद्देनजर पानी को बचाना समय की मुख्य जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बड़े स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए इसको बचाना सभी की जिम्मेदारी है। मोटे अनाज अर्थात ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी, कुटकी, चैना एवं सावां को कम उपजाऊ भूमि व कम पानी में भी उगाया जा सकता है। डॉ. अनिल ढाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उगाने के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रवीण कुमार ने जल की महत्वता व संरक्षण के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.03.2023	--------	--------

स्वयंसेवकों ने जाना योगा व खेलों का महत्व

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-3-23	4	5-6

डोर-टू-डोर सर्वे करते स्वयंसेवक।

स्वयंसेवकों ने गंगवा में डोर-टू-डोर सर्वे कर जुटाया साक्षरता का आंकड़ा

हिसार, 24 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में 7 दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया।

ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई।

तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर-टू-डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए, ताकि गांवों की साक्षरता का अनुपात पता लगाया जा सके, जिसके बाद नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई। शिविर के चौथे दिन खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें क्रिकेट मैच में पहले, दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। इस मैच की विजेता टीम तीसरे वर्ष के छात्र रहे, जबकि रनरअप द्वितीय वर्ष के छात्र रहे।